७. धूप की उष्मित छुवन से

– रामदरश मिश्र

: एक :

रास्ते में रोशनी तेरी मुसकान हो गई,
पहचान थी न तुझसे यों पहचान हो गई ।

कितना मैं चला, चलता रहा, राह कठिन थी,
देखा जो तुझे राह वो आसान हो गई ।

अब तक तो उदासीन-सी थी मुझसे ये दुनिया,
जाने क्या हुआ आज कदरदान हो गई ।

आई थी खुशी घर मेरे रहने के वास्ते,
दो दिन के लिए हाय वो मेहमान हो गई ।

पल भर को नहीं चैन से सो पाया आदमी,
सपनों से आज नींद परेशान हो गई ।

रोती रही अकेली पड़ी रागिनी उसकी,
लोगों के स्वर मिले तो वो सहगान हो गई ।

: दो :

पेड़ हैं कुछ खुश समझकर आ रहा ऋतुराज है,
भर रही पंखों में चिड़ियों के नई परवाज है ।

हो रही महसूस है खुशबू हवाओं में मधुर,
दिख रहा कुछ आज फूलों में नया अंदाज है ।

धूप की उष्मित छुवन से फूल-सी खिलती त्वचा,
बज रहा जैसे दिशाओं बीच कोई साज है ।

खुल गई सिमटी हुई फसलों के फूलों की हँसी,
उग रही कंठों में गाँवों की नई आवाज है ।

भूल जाओ कल तलक के वक्त की नाराजगी,
दोस्त बन खुशियाँ लुटाता देख लो दिन आज है ।

—— ० ——

परिचय

जन्म : १९२४, गोरखपुर (उ.प्र.)

परिचय : प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. रामदरश मिश्र जितने समर्थ कवि हैं उतने ही श्रेष्ठ उपन्यासकार और कहानीकार भी हैं । नई कविता, छोटी कविता, लंबी कविता के साथ-साथ गजल में भी आपने अपनी सार्थक उपस्थिति रेखांकित की है । आपके सारे सर्जनात्मक लेखन में गाँव और शहर की जिंदगी के कठोर यथार्थ की गहरी पहचान दिखाई देती है ।

प्रमुख कृतियाँ : 'पथ के गीत', 'पक गई है धूप', 'कंधे पर सूरज', 'अपने लोग', 'सहचर है समय', 'एक अंतयात्रा', 'हिंदी कविता: आधुनिक आयाम' आदि ।

पद्य संबंधी

यहाँ रामदरश मिश्र की दो गजलें दी गई हैं । प्रथम गजल के शेरों में आपने पहचान के साथी के मिलने से राह के आसान होने, अस्थायी खुशी, जीवन की बेचैनी की बात की है ।

दूसरी गजल में वसंत के आगमन से प्रकृति, प्राणियों में होने वाले परिवर्तन एवं प्रसन्न वातावरण की बात है ।

शब्द वाटिका

कदरदान = गुणग्राहक
रागिनी = गीत-संगीत
सहगान = कई आदमियों का एक साथ मिलकर गाना, समूहगान
परवाज = उड़ान
उष्मित = गर्म
साज = वाद्‌य

✻ सूचना के अनुसार कृतियाँ करो :-

(१) रिक्त चौखट में सुयोग्य उत्तर लिखो :

१. अब तक कवि से उदासीन रहने वाली - ☐
२. सपनों से परेशान होने वाली - ☐
३. आज कदरदान होने वाली - ☐
४. फूलों में दिखाई देने वाला - ☐

(२) संजाल पूर्ण करो :

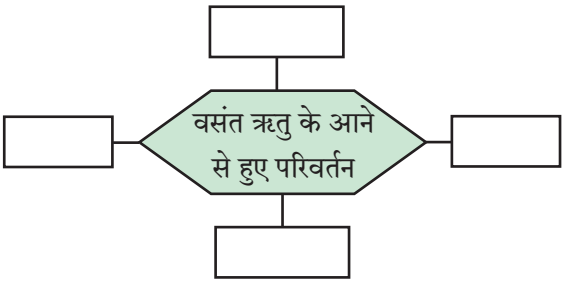

(३) कविता की अंतिम दो पंक्तियों का सरल अर्थ लिखो :

कल्पना पल्लवन ‘जो बीत गई सो बात गई’ इस संदर्भ में अपने विचार लिखो ।

सदैव ध्यान में रखो प्रकृति में निरंतर अनुशासन दिखाई देता है ।

भाषा बिंदु
१. पाठों में आए हुए वाक्य के प्रकार (अर्थ के अनुसार)-पाँच उदाहरण लिखो :
२. निम्न शब्द शुद्ध करके लिखो :
परकृती, शक्ती, मै, नहि

उपयोजित लेखन छुट्‌टियों में आयोजित संस्कार वर्ग के आयोजक के नाते आकर्षक विज्ञापन तैयार करो ।

मैंने समझा

स्वयं अध्ययन छह ऋतुओं का वर्णन करते हुए उनकी चित्रसहित जानकारी लिखो ।